सितम्बर, 2015 के दौरान कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग, आफरी द्वारा संपन्न गतिविधियों का संक्षिप्त ब्यौरा

1. **पत्र सूचना कार्यालय, जोधपुर द्वारा आयोजित जन सूचना अभियान में भागीदारी (दिनांक 2 से 4 सितम्बर, 2015)**

पत्र सूचना कार्यालय (Press Information Bureau) , जोधपुर द्वारा जालोर जिले की आहोर पंचायत समिति के उम्मेदपुर गांव में दिनांक 2 से 4 सितम्बर, 2015 तक आयोजित जन सूचना अभियान में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर की तरफ से श्री उमाराम चौधरी, भा.व.से, प्रभागाध्यक्ष, कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग तथा श्री महिपाल विश्नोई, अनु.सहा. द्वितीय ने भाग लिया। कार्यक्रम में आफरी की स्टाल लगाकर प्रदर्शनी के माध्यम से संस्थान की शोध गतिविधियों, शोध उपलब्धियों एवं शोध तकनीकों का प्रदर्शन किया । इस अभियान के तहत आयोजित संगोष्ठी में श्री उमा राम चौधरी, भा.व.से. ने वृक्ष की महत्ता एवं पर्यावरण संरक्षण पर संभाषण भी दिया ।

2. **वन मण्डल सीकर के राजस्थान जैव विविधता परियोजना के दल का आफरी भ्रमण (दिनांक 23 सितम्बर, 2015)**

वन मण्डल सीकर से राजस्थान जैव विविधता परियोजना के 42 सदस्यी दल ने,जिसमें वन सुरक्षा एवं प्रबन्ध समिति के सदस्य, क्षेत्रीय वन अधिकारी ,,वनपाल, वन रक्षक, कार्य प्रभारित कार्मिक शामिल थे, उप वन संरक्षक श्री राजेन्द्र कुमार हुड्डा के नेतृत्व में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर का दिनांक 23.9.2015 को भ्रमण किया । दल के एक प्रतिनिधि मण्डल, जिसमें क्षेत्रीय वन अधिकारी एवं वन सुरक्षा समिति के सदस्य सम्मिलित थे, ने श्री हुडडा के नेतृत्व में संस्थान के निदेशक श्री एन.के.वासु, भा.व.से. से विचार विमर्श किया । इस दौरान श्री वासु ने उनसे आग्रह किया कि खेजडी वृक्ष को बढ़ावा देवें व अधिकाधिक खेजडी लगावें । उन्होंने इसे बीज से बोने का आह्वान किया ।

इससे पूर्व समूह को कृषि वानकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी, भा.व.से. ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से संस्थान एवं संस्थान की शोध गतिविधियों की जानकारी दी । उसके बाद वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. जी. सिंह ने भू एवं जल संरक्षण तथा उनके क्षेत्र में उगायी जाने वाली वनस्पतियों की जानकारी दी । उन्होंने कृषि वानिकी में खेजड़ी एवं रोहिडा के वृक्षारोपण पर जोर दिया । श्री सिंह ने टिब्बा स्थिरीकरण कार्यो की जानकारी देते हुए बताया कि इसमें मलचिंग के लिए सोनामुखी बोयी जाय । उन्होंन देशी प्रजातियों पर जोर दिया । वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. रंजना आर्या ने क्षारीय भूमि में पनपने वाली प्रजाति जाल के बारे में जानकारी दी । संस्थान के समूह समन्वयक (शोध) श्री बी.आर.भादू, भा.व.से. ने दल के सदस्यों से अनुरोध किया कि वे अधिकाधिक खेजड़ी वृक्ष लगावे । श्री भादू ने खेजड़ी वृक्ष लगाने की तकनीकी की भी जानकारी दी । वैज्ञानिक डॉ. संगीता सिंह ने खेजडी वृक्ष के संरक्षण के बारे में जानकारी दी । दल ने विभिन्न प्रयोगशालाओं का भ्रमण कर शोध गतिविधियों का अवलोकन किया और विभिन्न वानिकी आयामों की वैज्ञानिक जानकारी हासिल की । दल ने उत्तक संवर्धन से विकसित गूगल पौधों का फिल्ड प्रयोग भी देखा ।

इसके बाद भ्रमण दल ने संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन केन्द्र का भ्रमण कर वहाँ प्रदर्शित शोध गतिविधियों, तकनीकों एवं अन्य सूचना सामग्रियों का अवलोकन किया । तत्पश्चात् भ्रमण दल ने संस्थान की उच्च तकनीक पौधशाला का भ्रमण कर पौधशाला तकनीक की जानकारी प्राप्त की । पौधशाला प्रभारी श्री सादुलराम देवड़ा, अनुसंधान सहायक-द्वितीय ने पौधशाला के बारे में बताया ।

भ्रमण कार्यक्रम का समन्वयन वैज्ञानिक-डी श्रीमती भावना शर्मा ने किया तथा श्री रतनाराम लोहरा, अनुसंधान सहायक-प्रथम ने सहयोग किया ।

3. **काजरी द्वारा आयोजित किसान मेले में भागीदारी** **<u>(दिनांक 24 सितम्बर, 2015)</u>**

दिनांक 24.9.15 को केन्द्रीय रूक्ष अनुसंधान संस्थान (काजरी) जोधपुर द्वारा, काजरी परिसर में, किसान मेला आयोजित किया गया जिसमें शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी), जोधपुर की तरफ से श्री उमा राम चौधरी, भा.व.से., प्रभागाध्यक्ष, कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग, श्री रतना राम लोहरा, अनुसंधान सहायक -प्रथम एवं श्री महिपाल विश्नोई, अनुसंधान सहायक-द्वितीय ने भाग लिया । मेले के दौरान आफरी की तरफ से स्टाल लगाकर संस्थान की शोध गतिविधियों, शोध उपलब्धियों एवं तकनीकों का पोस्टर के माध्यम से प्रदर्शन किया गया । प्रदर्शनी में संस्थान की प्रायौगिक पौधशाला द्वारा तैयार किये गये खेजड़ी, रोहिड़ा, केर,नीम, कुमट, जाल, चन्दन, बादाम, अर्जुन, बहेडा इत्यादि प्रजातियों के पौधों का प्रदर्शन भी किया गया । मेले के दौरान कृषकों को इस प्रदर्शनी के माध्यम से वृक्षों की महत्ता, वृक्षारोपण, जल एवं मृदा संरक्षण, कृषि वानिकी इत्यादि विषयों की जानकारी उपलब्ध करायी गयी ।

मुख्य अतिथि श्री जोगाराम पटेल, विधायक, लूणी एवं काजरी निदेशक डॉ. ऐ. के. मिश्रा द्वारा आफरी स्टॉल का अवलोकन